Time: 3 hours

Maximum Marks: 100

MASTER OF ARTS (SOCIOLOGY) Term-End Examination June, 2021

MSO-004: SOCIOLOGY IN INDIA

Note: Answer any five of the following questions in about 500 words each. Answer at least two questions from each section. All questions carry equal marks.

SECTION I

1.	Discuss the growth and development of sociology as a profession in India.	20
2.	Explain how caste as a category was used in the official records of the colonial rulers.	20
3.	Discuss how the book view of the caste system differs from the field view of the caste system.	20
4.	Discuss the socio-economic dynamics of the household in Indian Society.	20
5.	Explain the changing social structure of the agrarian society in post-independent India.	20

SECTION II

6.	"Tribes are a homogenous social group."	
	Examine critically.	20
7.	Discuss the problems and prospects of urbanization in contemporary India.	20
8.	Explain the types, factors and trends of migration in contemporary Indian society.	20
9.	Compare and contrast Gandhi and Nehru's views on industrialization.	20
10.	Distinguish between the old and new social movements with suitable illustrations from	
	Indian society.	20

एम.एस.ओ.-004

एम.ए. (समाजशास्त्र) सत्रांत परीक्षा जून, 2021

एम.एस.ओ.-004: भारत में समाजशास्त्र

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट: निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम-से-कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग I

 समाजशास्त्र की वृद्धि एवं विकास की चर्चा, भारत में एक वृत्ति (profession) के रूप में कीजिए । व्याख्या कीजिए कि औपनिवेशक शासकों के कार्यालयी अभिलेखों में जाति का प्रयोग एक श्रेणी के रूप में कैसे किया जाता था । जाति व्यवस्था का साहित्यिक दृष्टिकोण, जाति के क्षेत्रपरक दृष्टिकोण से कैसे भिन्न है ? चर्चा कीजिए । भारतीय समाज में गृहस्थी की सामाजिक-आर्थिक गतिकी की चर्चा कीजिए । आज़ादी के बाद भारत के कृषीय समाज की बदलती सामाजिक संरचना की व्याख्या कीजिए । 			
अभिलेखों में जाति का प्रयोग एक श्रेणी के रूप में कैसे किया जाता था। 3. जाति व्यवस्था का साहित्यिक दृष्टिकोण, जाति के क्षेत्रपरक दृष्टिकोण से कैसे भिन्न है ? चर्चा कीजिए। 4. भारतीय समाज में गृहस्थी की सामाजिक-आर्थिक गतिकी की चर्चा कीजिए। 5. आज़ादी के बाद भारत के कृषीय समाज की बदलती	1.	<u> </u>	20
दृष्टिकोण से कैसे भिन्न है ? चर्चो कीजिए । 4. भारतीय समाज में गृहस्थी की सामाजिक-आर्थिक गतिकी की चर्चा कीजिए । 5. आज़ादी के बाद भारत के कृषीय समाज की बदलती	2.	अभिलेखों में जाति का प्रयोग एक श्रेणी के रूप में कैसे	20
चर्चा कीजिए। 5. आज़ादी के बाद भारत के कृषीय समाज की बदलती	3.	<u> </u>	20
•	4.	<u>_</u>	20
	5.	<u> </u>	20

भाग II

6.	"जनजातियाँ एक समरूप सामाजिक समूह हैं ।" आलोचनात्मक जाँच कीजिए ।	20
7.	समकालीन भारत में नगरीकरण की समस्याओं एवं	20
	संभावनाओं की चर्चा कीजिए।	20
8.	समकालीन भारतीय समाज में प्रवसन के प्रकारों, कारकों एवं प्रवृत्तियों की व्याख्या कीजिए।	20
9.	औद्योगीकरण के संबंध में गाँधी और नेहरू के विचारों की	20
	तुलना कीजिए और इनके अंतर को स्पष्ट कीजिए।	20
10.	पुराने एवं नव सामाजिक आंदोलनों के अंतर को, भारतीय समाज से उचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।	20